

---

.. nakha stuti ..

॥ नखस्तुती ॥

Document Information

---

Text title : nakha stuti  
File name : nakha\_stuti.itx  
Location : doc\_vishhnu  
Language : Sanskrit  
Subject : philosophy/hinduism/religion  
Transliterated by : Shrisha Rao shrao at dvaita.org  
Proofread by : Shrisha Rao shrao at dvaita.org  
Latest update : November 1, 2010  
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com  
Site access : <http://sanskritdocuments.org>

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

August 2, 2016

*sanskritdocuments.org*

---

## ॥ नखस्तुती ॥

॥ श्री नृसिंहनखस्तुतिः ॥

पान्त्वस्मान् पुरुहूत वैरि बलवन् मातङ्ग माद्यद्धटा ।  
कुम्भोच्चाद्रिविपाटनाऽधिकपटु प्रत्येक वज्रायिताः ।  
श्रीमत्कण्ठीरवास्यप्रततसुनखरा दारिताराऽतिदूर ।  
प्रद्धस्त ध्वांत शांत प्रवितत मनसा भाविता भूरिभागैः ॥ १ ॥

लक्ष्मीकांतसमंततोऽपिकलयन् नैवेशितुः ते समम् ।  
पश्याम्युत्तमवस्तु दूरतरतो पास्तं रसो योऽष्टमः ।  
यद्रोशोत्कर दक्षनेत्रकुटिलः प्रांतोत्थिताऽग्नि स्फुरत् ।  
खद्योतोपमविस्फुलिङ्ग भसिता ब्रह्मेशशक्रोत्कराः ॥ २ ॥

इति श्रीमदानंदतीर्थ भगवत्पादाचार्य विरचितं  
श्री नृसिंहनखस्तुतिः सम्पूर्णम्

॥ भारतीयमणमुख्यप्राणांतर्गत श्रीकृष्णार्पणमस्तु ॥

Encoded and proofread by Shrisha Rao shrao at dvaita.org

---

.. nakha stuti ..

was typeset on August 2, 2016

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

